वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 223 | गुरुवार 8 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उद्योग आयुक्त ने किया ''56 भोग उत्सव- 2022'' पोस्टर का विमोचन

आमजन से उत्सव में शिरकत करने का भी किया आह्वान

जयपुर. कासं। उद्योग आयुक्त महेंद्र पारख ने बुधवार को उद्योग भवन स्थित अपने कक्ष में 9 से 12 दिसंबर तक जल महल के सामने राजस्थान हाट आयोजित होने वाले ''56 भोग उत्सव-2022'' के पोस्टर का विमोचन किया। पारख ने बताया कि ''56 भोग उत्सव-2022'' में राजस्थान के स्वादिष्ट व्यंजन, प्रसिद्ध मसालों, मिठाइयों, नमकीन, विशिष्ट खाद्य पदार्थों एवं रसोई से जुड़े परम्परागत, प्राकृतिक एवं आधुनिक उपकरण एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि उत्सव में मनभावन व्यंजनों जैसे कि धौलपुर भरतपुर एवं सीकर की गजक पाली का गुलाब हलवा, गंगापुर का खीर मोहन, दौसा का डोवठा, अलवर का मावा, ब्यावर की तिलपपड़ी, बीकानेर की नमकीन, कोटा की कचौरी, जयपुर का घेवर, कुल्फी, तन्दूरी चाय एवं पान आदि उपलब्ध होंगे। साथ ही राजस्थान के प्रसिद्ध साबुत एवं पिसे हुए मसालों, इनके पेस्ट एवं प्रोसेस्ड पैकेज के साथ-साथ परम्परागत पात्र, भरतपुर का आचार -मुरब्बे, सॉस, पापड़-बड़ी, खाखरे, पाचक चूर्ण चटनी आदि की स्टॉल्स भी लगाई जायेंगी। आयुक्त ने बताया कि राज्य की विशिष्ट सब्जियां जैसे कि बीकानेर की कैर-सांगरी, काचरी, अन्य सूखी परम्परागत सब्जियां, नागौरी मेथी, कोटा के मशरूम प्रोडक्टस एवं खाद्य तेल खरीदने का जयपुर की जनता को सुनहरा अवसर मिलेगा।

माउंट के बाद सीकर में भी जमी बर्फ; कोटा-उदयपुर में भी दो डिग्री गिरा पारा

जयपुर. कासं

राजस्थान के चूरू, फतेहपुर, भीलवाड़ा, जोधपुर समेत प्रदेश के कइ शहरों में तापमान गिरने से सर्दी के तेवर तेज हो गए। चूरू, भीलवाड़ा में आज सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। पिछले कुछ दिनों से लगातार पड़ रही सर्दी से अब लोगों की मुश्किलें बढ़ रही है। इधर सीकर के फतेहपुर में इस सीजन में पहली बार बर्फ जमी हुई दिखी। यहां न्यूनतम तापमान आज 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे यहां मैदानों में ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील हो गई। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो 11 दिसंबर बाद से तापमान में गिरावट और ज्यादा हो सकती है, जिससे सर्दी और ज्यादा बढ़ेगी। मौसम केन्द्र जयपुर से जारी रिपोर्ट देखें तो आज चूरू में न्यूनतम तापमान 3.5, भीलवाड़ा में 6.5, जबकि फतेहपुर में 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस सीजन का इन शहरों का सबसे कम तापमान रहा। इन शहरों के अलावा उदयपुर और कोटा में भी आज न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरा है। करौली न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। वहीं, बारां में भी

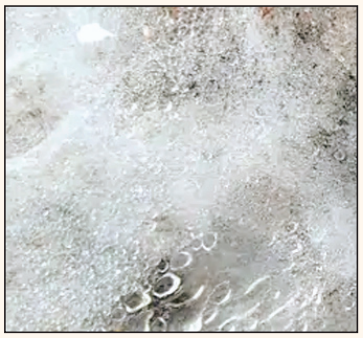

तापमान 3 डिग्री सेल्सियस गिरकर 5.8 पर पहुंच गया। करौली और बारां में भी बीती रात इस सीजन में सबसे ठंडी रात रही। राजस्थान में तापमान गिरने से कुछ समय पहले माउंट के मैदानों में बर्फ जमी दिखी थी, लेकिन आज फतेहपुर में भी बर्फ जमी दिखी। यहां सुबह-सुबह मैदानों में ओस की बूंदे बर्फ बन गई। हालांकि दिन निकलने और धूप तेज होने के साथ ही यह जल्दी पिघल गई। सीकर के कृषि अनुसंधान केंद्र फतेहपुर पर आज न्यूनतम तापमान 2.0 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले मंगलवार को यहां न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री दर्ज किया गया था।

सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे आया तापमान

कोटा में रात का पारा सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरकर 8.8 पर दर्ज हुआ। यहां भी सुबह-शाम सूखी सर्दी के साथ हल्की ठंडी हवाओं के थपेड़ों से लोग परेशान है। कोटा के अलावा चूरू में तापमान सामान्य 4, जबकि अजमेर और भीलवाड़ा में 2-2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज हुआ।

राज्यपाल ने सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य का भ्रमण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को अलवर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य का भ्रमण किया और बाघ सहित अन्य वन्यजीवों को निहारा। इस दौरान राज्यपाल मिश्र ने अधिकारियों से बातचीत में वन्य जीव संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए जनभागीदारी से और अधिक कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई। वहीं राज्यपाल मिश्र से उद्योग मंत्री शकुंतला रावत, सांसद महंत बालक नाथ एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह सहित अन्य गणमान्य जन ने यहां वन विभाग के विश्राम गृह में शिष्टाचार मुलाकात की।

श्री महावीर जी में पंच कल्याणक महोत्सव एवं भगवान महावीर मस्तकाभिषेक का भव्य आयोजन

24 नवम्बर से 4 दिसंबर 2022 भव्य आयोजन के लिये क्षेत्र कमेटी को बहुत-बहुत बधाई

लेखक : राकेश छाबड़ा कोषाध्यक्ष, वीर सेवक मण्डल

श्री महावीर जी में 24 नवम्बर से 4 दिसंबर 2022 तक वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ एवं अन्य मुनिराजो, आर्यिका संघ के सानिध्य में पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं भगवान महावीर महा मस्तकाभिषेक का आयोजन दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी कमेटी द्वारा किया गया। इस भव्य आयोजन में प्रदेश ही नहीं देश - विदेश के दिग जैन श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में अपनी सहभागिता निभाई। पंच कल्याण की संपूर्ण क्रिया के लिए भव्य पंडाल का निर्माण किया गया। इस दौरान विशाल शोभा यात्राएं एवं महोत्सव की समाप्ति के दिन रथ यात्रा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भाग लेने आए श्रद्धालुओं के लिए ठहरने के लिए आवास, नाश्ता एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा की गई थी। भगवान महावीर महा मस्तकाभिषेक के दौरान श्रद्धालु सहज प्रसन्न होकर अभिषेक कर सके ऐसी व्यवस्था की गई थी। इस आयोजन मे श्री वीर सेवक मंडल जयपुर ने अध्यक्ष महेश काला, मंत्री एवं इस आयोजन के लिए दलपती भानु छाबड़ा एवं उप दलपति राकेश छाबड़ा के नेतृत्व में 150 से अधिक सदस्य श्री महावीर जी के सभी कार्यों में सहयोग की, पंच कल्याणक की व्यवस्था हो या मस्तकाभिषेक के दौरान मंदिर जी की व्यवस्था जिसके फलस्वरूप श्रद्धालु सुंदर और व्यवस्थित तरीके से अभिषेक कर सके , पूरा सहयोग किया। श्रद्धालुओं के ठहरेने हेतु आवास की समुचित व्यवस्था की गई थी। नाश्ता एवं भोजन के लिए तीन चार जगह भोजनशाला बनाई गई थी जिसके समुचित सुंदर व्यवस्था जैन बैंकर्स फोरम के

165 सदस्यों ने अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपूरा, कार्याध्यक्ष पदम बिलाला व अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व मे बखूबी व सुंदर रूप से संभाल रखी थी। प्रतिदिन एक से बढ़कर एक सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम , प्रसिद्ध गायक गौरव सोगानी की भजन संध्या, कवि सम्मेलन महासमिति द्वारा प्रस्तुत नाटक राजस्थानी कलाकारों द्वारा सुंदर प्रस्तुति आदि भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पंच कल्याणक एवं मस्तकाभिषेक के आयोजन का यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हो उसके लिए क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मंत्री महेंद्र पाटनी, शांति आँधिका, सुभाष जैन, उमराव मल संघी, विवेक काला, रूपिन काला, अनिल दीवान, पी के जैन, सुरेश सबलावत सहित सभी कमेटी के सभी सदस्य महानुभाव ने अथक मेहनत की। इन्होंने अपने साथ विभिन्न समितियों के माध्यम से समाज के कार्यकर्ताओं के साथ साथ स्थानीय जैन समाज एवं महिला मंडल को जोड़ा। पुनः इस ऐतिहासिक सफल आयोजन के लिए अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मंत्री महेंद्र पाटनी और पूरी क्षेत्र कमेटी को साधुवाद।

पिंकी जैन जो कि आई आई टी मुम्बई से एमबीए हैं और 8 वर्ष से कॉरपोरेट जगत में काम कर रही थी आदित्य बिरला कोलकाता आईसीआई बैंक मुंबई एंडेवर जयपुर सूरत जैसी कॉर्पोरेट जगत में नामी कंपनियों के साथ काम किया था को छोड़कर पिंकी ने प्रवाह तथा ऐसे ही और गैर सरकारी संगठनों के साथ मिल कर महिला सशक्तिकरण करने और बाल विकास पे काम किया है...

जिद्द और लग्न से बदल दिया गांव का चेहरा

वेस्ट कपड़ों से सस्टेनेबल प्रॉडक्ट बनवाकर देश के टॉप 75 विमन आंत्रप्रेन्योर्स में हासिल किया स्थान पिंकी जैन ने

जयपुर. शाबाश इंडिया

पिंकी जैन जो कि आई आई टी मुम्बई से एमबीए हैं और 8 वर्ष से कॉरपोरेट जगत में काम कर रहीं थी। आदित्य बिरला कोलकाता आईसीआई बैंक मुंबई एंडेवर जयपुर सूरत जैसी कॉर्पोरेट जगत में नामी कंपनियों के साथ काम किया लेकिन फिर सब छोड़कर पिंकी ने प्रवाह तथा ऐसे ही और गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर महिला सशक्तिकरण करने और बाल विकास पर ऐसा काम किया जो मिसाल बन गया है। पिंकी ने 3 स्टार्टअप भी शुरू किए और सफलतापूर्वक संचालन भी किया। उन्हें आईडिया आया कि क्यों न एक ऐसा स्टार्टअप शुरू किया जाए जो महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करे और साथ ही पर्यावरण को भी संरक्षित करे। इसी विचार से मायसा का एक साल पहले जन्म हुआ। मायसा एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है अपनी घर में आराम से किसी काम को करना। मायसा का यही उद्देश्य है कि ग्रामीण महिलाएं कैसे बिना अपना रोजमर्ग का काम बिन बिगड़े कुछ पैसे कमा ले।

डिजिटल ट्रेनिंग

हम चाहते है की फोटोशूट , वीडियो आदि गांव की बच्चियां ही करे और इसी के लिए हमने उनको ट्रेनिंग दिलवाई। गांव की बच्ची नीतू और टीना बहुत ही अच्छे फोटोशूट करती है जो कि कम्पनी की वेबसाइट पर लगाई जाती है। नीतू सारा हिसाब किताब मेल के द्वारा रिपोर्ट करती ही और इस तरह डिजिटल तरीके से काम होता है।

वोकल फॉर लोकल

मायसा सही मायने में लोकल लोगो को काम देता है। कोशिश यही रहती है कि कपड़े के टुकड़े से पैकिंग तक सभी काम गांव में हो और अभी एक साल में काफी हद तक हम ये कर पाए है।

सर्कुलर इकोनॉमिक्स

क्लाइमेट चेंज के कारण होने वाले नुकसान से आजकल सभी परिचित है। मायसा टेक्सटाइल कंपनी के वेस्ट कपड़े को सुदंर यूटिलिटी प्रोडक्ट बना कर बेचता है ताकि बेकार फैब्रिक हमारी जमीन में जाकर बेकार न हो बल्कि कुछ कुछ काम आ जाये। इसी की सरकुलर इकॉनमी कहते है।

बच्चों के लिए इंडियन एनीमल टॉयज

बच्चों के लिए भारतीय जानवरो की एक रेंज निकली है जिसमे सारे टॉय फैब्रिक के होंगे और कुछ भी प्लास्टिक का नहीं होगा। 6 साल तक के बच्चे किसी न किसी रूप में 5 6 ग्राम प्लास्टिक पेट मे खा चुके होते हैं और ये बहुत ही हानिकारक है। मायसा बच्चों को हेल्थी और मजेदार टॉय रेंज देनें का वादा करता है।

वेद ज्ञान

शिक्षा का सही रूप...

इस धरती पर सिर्फ मनुष्य को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि सभी प्राणियों में अकेला वही शिक्षित है। पशुओं को जिस भी दिशा में हांक दो, तो वे उसी ओर चलते चले जाएंगे, लेकिन मनुष्य के मामले में ऐसा नहीं होता। वह शिक्षा ग्रहण करता है और इसकी वजह से वह अपने हर कार्य से पूर्व अपनी बुद्धि और विवेक का इस्तेमाल करता है। अगर आज मनुष्य चांद-सितारों तक पहुंच गया है, तो यह उसकी शिक्षा का ही कमाल है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य के जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व होता है। शिक्षित होकर ही मनुष्य अपना और अपने समाज का विकास कर सकता है, जबकि अशिक्षित व्यक्ति और पशु में कोई भेद नहीं होता। हर मनुष्य को अपने जीवन लक्ष्य की पूर्ति के लिए शिक्षा अवश्य ग्रहण करनी चाहिए। शिक्षा हमें सोचने की शक्ति देती है और हमारी तर्कशक्ति बढ़ाती है। शिक्षा हमें यह निष्कर्ष निकालने में मदद करती है कि क्या सही है और क्या गलत? शिक्षा से मनुष्य के विचारों में संतुलन और स्थिरता आती है। शिक्षा से हमारा धैर्य, चिंतन-मनन और संकल्प की शक्ति बढ़ती है। शिक्षा से हम गरीबी और अज्ञानता को मिटा सकते हैं और शिक्षा से ही हम अपने आस-पास शांति और भाई-चारे का माहौल बना सकते हैं। शिक्षा व्यक्ति को स्वयं के विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के विकास के लिए भी प्रेरित करती है। शिक्षा ही वह धन है, जो बांटने से बढ़ता है, इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि वह खुद भी खूब पढ़े और उसे दूसरों को भी पढ़ाए। जो माता-पिता अपने बच्चों को नहीं पढ़ाते, वे उनके सबसे बड़े शत्रु होते हैं। आपको किसी का भला करना है, तो उसे शिक्षा ग्रहण करने में मदद कीजिए, क्योंकि पैसे या अन्य भौतिक वस्तुओं से आप किसी की दो एक बार ही मदद कर सकते हैं लेकिन शिक्षा देकर आप उसकी जीवन भर मदद कर सकते हैं। गीता में कहा गया है कि इस संसार में ज्ञान के समान और कुछ भी पवित्र नहीं है। शिक्षा समृद्धि में हमारा आभूषण, विपत्ति में शरण स्थली होती है। हालांकि हमारी शिक्षा सैद्धांतिक के साथ व्यावहारिक भी होनी चाहिए। हमें ऐसी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए, जिससे हमारा सर्वांगीण विकास हो सके। यानी ऐसी शिक्षा, जिससे हमारे चरित्र का गठन हो, मन का बल बढ़े, बुद्धि का विकास हो और व्यक्ति स्वावलंबी बने।

संपादकीय

समावेशी व्यवस्था की ओर आगे बढ़ने का लिया संकल्प

समूह बीस देशों के संगठन यानी जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद भारत में इसकी पहली बैठक शुरू हो चुकी है। इसमें चालीस देशों के शेरपा हिस्सा ले रहे हैं। पूरे साल देश के पचपन स्थानों पर ऐसी कुल दो सौ बैठकें होनी तय हैं। पहली बैठक में साल भर होने वाली बैठकों और फिर शिखर सम्मेलन के मुद्दे स्पष्ट हो चुके हैं। सभी सदस्य देशों ने आजीविका के संकट से उबरने के लिए समावेशी व्यवस्था की ओर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। इन बैठकों में मुख्य रूप से वैश्विक विकास, महिला विकास, व्यापार, भ्रष्टाचार, आर्थिक-वित्तीय, रोजगार, संस्कृति, चिकित्सा, शिक्षा आदि विषयों को शामिल किया गया है। इन्हीं विषयों पर लिए गए निर्णयों के आधार पर शिखर सम्मेलन के दौरान सम्मिलित रूप से अंतिम फैसले पर पहुंचा जा सकेगा। पहली बैठक में स्वीकार किया गया कि कोरोना महामारी के बाद दुनिया गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। इस दौरान वैश्विक ऋण में वृद्धि हुई है, विकास

दर कमजोर हुई, मुद्रास्फीति बढ़ी और रोजगार में कमी आई है। इन स्थितियों से पार पाने के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। इस कठिन दौर में इस संकल्प से स्वाभाविक ही बेहतरी की उम्मीद जगी है। जी-20 की सदारत भारत को मिलना इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि आर्थिक विकास को लेकर तमाम देश इसकी तरफ नजरें उठाए देख रहे हैं। दुनिया के कई बड़े उभरते बाजार जी-20 संगठन में हैं और यह समूह दुनिया की दो तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया की पचासी फीसद जीडीपी, अठहत्तर फीसद वैश्विक व्यापार और नब्बे फीसद पेटेंट जी-20 देशों के पास है। निस्संदेह इतने क्षमतावान देश अगर मिल कर काम करें तो आर्थिक संकट से उबरना कठिन काम नहीं माना जा सकता। मगर रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन की एकाधिकारवादी नीतियों के चलते व्यापार-वाणिज्य संबंधी प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई है। सबसे चिंता की बात है कि विश्व की आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है। चूंकि रूस से भारत की गहरी मित्रता है और वह भारत की सलाह पर अमल भी करता रहा है, इसलिए तमाम देशों को उम्मीद है कि भारत अगर गंभीरता से प्रयास करे, तो यूक्रेन के साथ उसकी तनातनी पर विराम लगाना आसान होगा। भारत खुद भी ऐसा प्रयास करता रहा है। जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद भारत की यह जिम्मेदारी और बढ़ गई है कि वह आर्थिक विकास की राह में आने वाली मुश्किलों को दूर करने का प्रयास करे। पहली बैठक में भारत के शेरपा ने फिर से दोहराया कि आपदा को अवसर में बदलने की दिशा में सोचने से इस संकट से जल्दी उबरा जा सकता है। जी-20 देशों के साथ परस्पर व्यापार-वाणिज्य के रिश्ते मजबूत होंगे, तो स्वाभाविक ही भारत की आर्थिक विकास दर पर भी उसका सकारात्मक असर पड़ेगा। अभी भारत खुद भी महंगाई, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस दिशा में बेहतर नतीजे तभी आ सकते हैं, जब प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और निर्यात को बढ़ावा मिले।

परिदृश्य

संघर्ष की जीत...

पिछले कुछ समय से ईरान में महिलाओं के हक में चल रहे आंदोलन का एक बड़ा हासिल तब सामने आया, जब वहां आखिरकार 'नैतिक पुलिस' की इकाइयों को भंग करने की खबर आई। अगर यह फैसला जमीन पर उतरता है, तो निश्चित तौर पर उन तमाम महिलाओं के जीवट और हिम्मत की जीत है, जिन्होंने दमन की एक घटना की अनदेखी करने के बजायउसे समूचे ईरान में एक बड़ा मुद्दा बना दिया और बहुत सारे लोगों को सोचन पर मजबूर कर दिया। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले ईरान में महसा अमीनी नाम की एक युवती को वहां सिर्फ इसलिए गिरफ्तार कर गिया गया कि उसने हिजाब नहीं पहना था। उसके बाद हिरासत में ही उसकी मौत हो गई। जाहिर है, यह गिरफ्तारी और उससे आगे यातना का मामला था। मगर इस बार ईरान में एक खास प्रतिक्रिया देखने में आई कि उस घटना को चुप रह कर गुजर जाने देने के बजाय भारी तादाद में महिलाओं ने इसके खिलाफ आवाज उठाई। तब से इस मसले पर लगातार प्रदर्शन चलते रहे। कई ऐसी खबरें सामने आईं, जिसमें कुछ महिलाओं ने अपने हिजाब जलाए और बाल काट लिए। हालत यह हो गई कि ईरान में चले इस प्रदर्शन ने अन्य जनपक्षीय मुद्दों को भी अपने में समाहित कर लिया और उसमें शामिल महिलाओं को वैश्विक स्तर पर समर्थन मिला। सख्ती और दमन के जरिए इस अभियान से निपटने की कोशिश में लगी ईरान की सरकार के सामने एक मुश्किल यह खड़ी हुई कि वैश्विक स्तर पर उसके खिलाफ उठते सवालों के कैसे शांत किया जाए। हालांकि वहां की सरकार ने विवेक से काम लिया होता तो शुरू में ही महसा अमीनी की मौत के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्ती का रुख दिखा सकती थी। मगर यह खास बात दुनिया ने देखा कि ईरान में महिलाओं ने हिजाब की वजह से एक महिला की मौत के बाद इस समूची जड़ परंपरा के खिलाफ बिगुल फूंक दिया। ईरान के शासन में धार्मिक नियम-कायदों के प्रभाव की अब तक जैसी छवि रही है, उसमें यह उम्मीद कम थी कि सरकार इस मसले पर झुकेगी। लेकिन अब नैतिक पुलिस की इकाइयों को भंग किए जाने का फैसला उन महिलाओं और आम लोगों की जीत है, जिन्होंने अपनी इच्छा से हिजाब नहीं पहनने के अधिकार के समर्थन में लड़ना चुना और लंबे समय से चली आ रही इस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई। दरअसल, कोई भी जड़ परंपरा तब तक कायम रहती है, जब तक उस पर कोई न सवाल उठे। बल्कि सत्ता के दमन के जोखिम के बावजूद जब आम लोग किसी दमघोंटू चलन के विरुद्ध मोर्चा लेने का फैसला कर लेते हैं, तब जाकर उससे राहत या आजादी का रास्ता तैयार होता है। ईरान की महिलाओं और उनके साथ खड़े भारी तादाद में लोगों ने इसी का उदाहरण सामने रखा। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद नैतिक पुलिस के कई रूप देखने को मिले। लेकिन 2006 में गठित गश्त-ए-इरशाद सबसे ज्यादा चर्चा में रहा, जो महिलाओं के हिजाब पहनने के अलावा इस्लामी कानूनों को सख्ती से लागू कराना सुनिश्चित कर रहा था। यह न्यायपालिका और इस्लामी रिवाल्यूशनरी गार्ड्स कार्प्स से जुड़े बल 'बासिज' के साथ मिलकर काम करता था। यों इस तंत्र को भंग करने की खबर के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि महिलाओं को संकीर्ण घेरों में कैद करने और उदार मूल्यों के खिलाफ माहौल अचानक ही पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

सम्मेदशिखर जी को पर्यटन क्षेत्र नहीं 'पवित्र क्षेत्र' घोषित किया जाए, सरकार द्वारा जारी गजट रद्द किया जाय

मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में विद्वत्परिषद ने प्रस्ताव पारित किया

ललितपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में ललितपुर में आयोजित अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत्परिषद के अधिवेशन में सम्मेदशिखर जी संबंधी प्रस्ताव को अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत परिषद के साधारण सभा के अधिवेशन में रखा गया। प्रस्ताव कार्यकारणी सदस्य डॉ सुनील संचय ललितपुर ने रखा जिसका समर्थन परिषद के उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेंद्र जी भारती बुरहानपुर ने किया, इसका अनुमोदन उपस्थित शताधिक विद्वानों ने हाथ उठाकर किया। मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने कहा कि इस मुद्दे पर दिगम्बर, श्वेतांबर सभी को एक हो जाना चाहिए और जैसा सल्लेखना मुद्दे पर एकता दिखाई थी वैसे ही सम्मेदशिखर जी पर भी देशव्यापी आंदोलन होना चाहिए। विद्वानों से प्रस्ताव के माध्यम से मैंने अनुरोध किया कि जो जहां पर हैं वहां इस संबंध में जागरूकता फैलाएं और स्वयं राज्य सरकार और केंद्र सरकार को इस संबंध में ज्ञापन आदि भेजकर इसका कड़ा विरोध दर्ज कराएं साथ ही इस संबंध में जैन विश्व संगठन दिल्ली द्वारा किए जा रहे कार्य से भी अवगत कराया और 11 दिसंबर को रामलीला मैदान में होने जा रही विशाल सभा के बारे में भी

उपस्थित विद्वानों तथा श्रद्धालुओं को अवगत कराया। प्रस्ताव में बताया गया कि हमारी आस्था व श्रद्धा का केंद्र झारखंड राज्य के गिरिडीह जिले में सबसे महत्वपूर्ण जैन तीर्थ स्थल है जो श्री सम्मेद शिखरजी के रूप में चर्चित है इस पुण्य क्षेत्र में जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्ति की फिर भी राजनैतिक गलियारों से अनुचित कार्य में लिप्त सरकार द्वारा अवैधानिक कार्य का हिस्सा बनते हुए हमारी आस्था व संस्कृति के साथ खिलवाड़ करते हुए श्री सम्मेद शिखरजी पर अनुचित कार्य के रूप में पर्यटन क्षेत्र घोषित कर रहा है जो हमें हमारी पौराणिक संस्कार-संस्कृति से दूर ले जा रहा है। श्री सम्मेद शिखर जी को बिना जैन समाज की सहमति के किसी साजिश के तहत वन्य

जीव अभ्यारण्य का एक भाग घोषित कर पर्यावरण पर्यटन व गैर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति देकर तीर्थराज की स्वतन्त्र पहचान व पवित्रता नष्ट करने वाली झारखण्ड सरकार की अनुसंशा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 2 अगस्त 2019 को रद्द कराने, पर्वतराज से पेड़ो की अवैध कटाई व पत्थरों के अवैध खनन को रोकने और हमारे आराध्य पारसनाथ पर्वतराज व मधुबन क्षेत्र को माँस-मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र ''जैन तीर्थ स्थल'' घोषित करने की मांग विद्वत परिषद करती है। पर्वतराज के वन्दना मार्ग को अतिक्रमण व अभक्ष्य सामग्री बिक्री मुक्त कर यात्री पंजीकरण, यात्री सामान जाँच हेतु स्कैनर सहित चैक पोस्ट, सोलर लाईट और शुद्ध पेय जल आदि सुविधा की केंद्र सरकार व झारखण्ड सरकार से मांग हेतु जैन धर्म व अपने शास्वत सिद्ध क्षेत्र की रक्षा हेतु आप सभी सहयोग करें। **-डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर**

वर्धमान सागर जी के सानिध्य में धार्मिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

आचार्य श्री वर्धमान सागर संत भवन का होगा लोकार्पण

आचार्य श्री का मंगल विहार जारी आज बगलाई स्कूल में रात्रि विश्राम

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

वात्सल्य वारिधि, राष्ट्र गौरव, आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में सैनिक नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष महावीर जैन शाह ने बताया कि 9 दिसंबर को आचार्य श्री का सायं 4:00 मंगल प्रवेश होगा। इस अवसर पर सैनिक नगर स्थित डीएस साइंस एकेडमी से जुलूस के द्वारा सभी साधु-संतों को जैन मंदिर लाया जाएगा जहां उनका पाद प्रक्षालन एवं भव्य अगवानी होगी। इसी प्रकार 10 दिसंबर को सुबह 8:30 बजे मंदिर प्रांगण में नवनिर्मित आचार्य श्री वर्धमान सागर संत भवन का लोकार्पण आचार्य श्री वर्धमान सागर

जी के सानिध्य में किया जाएगा इससे पूर्व आचार्य श्री की सामूहिक पूजा की जाएगी। इस अवसर पर सभी श्रावको को आचार्य श्री के मुखारविंद से प्रवचन सुनने को मिलेंगे। दोपहर में 1:30 से आचार्य श्री के सानिध्य में चादनपुर महावीर मंडल विधान का आयोजन प्रतिष्ठाचार्य मुकेश जैन मधुर श्री महावीरजी वालों के निर्देशन एवं संगीतकार दौलत एंड पार्टी भरतपुर वालों की मधुर संगीत के साथ में किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आचार्य श्री के भक्तों के आने की उम्मीद है।

पद मंगल विहार करते हुए आचार्य श्री पहुंचे बगलाई

आचार्य श्री के साथ में 32 दिगंबर जैन साधु संत एवं साध्वी आज धूनी गांव से आहार चर्या के बाद में पद मंगल विहार करते हुए बगलाई राजकीय विद्यालय में पहुंचे। इस अवसर पर मंगल विहार में बड़ी संख्या में जैन श्रावक साथ-2 पैदल चल रहे हैं।

रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर के पूर्व अध्यक्ष एस . एल .विधानी को जोन 24 का सहायक प्रांतपाल मनोनीत किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर के अध्यक्ष आर. के. मीणा ने बताया की रोटरी प्रांत (District) 3056 के सत्र 2023-24 के प्रांतपाल रोटेरियन निर्मल कुमावत ने रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर के पूर्व अध्यक्ष एस. एल.विधानी को जोन 24 का सहायक प्रांतपाल मनोनीत किया है। कोहिनूर क्लब की कार्यकारिणी ने अपनी मीटिंग मे विधानी का भव्य स्वागत किया। साथ ही उनका यह कार्यकाल सफल रहने के साथ ही उनके उज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही प्रांत के मेंटोर डॉक्टर अशोक गुप्ता तथा प्रांतपाल निर्मल कुणावत का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

चार बातों का लोगों के जीवन में एहसान करो तो ज़िन्दगी बेहतरीन बन सकती है: अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

चार बातों का लोगों के जीवन में एहसान करो तो ज़िन्दगी बेहतरीन बन सकती है।

(1) लाभ नहीं दे सकते तो हानि भी मत पहुंचाओ।
(2) खुशी नहीं दे सकते तो दुःख भी मत पहुंचाओ।
(3) अच्छा नहीं बोल सकते तो बुरा भी मत बोलो।
(4) समर्पण नहीं कर सकते तो अहंकार भी मत करो।

क्योंकि-अहंकार व्यक्ति को भीतर से खोखला बना देता है।
अहंकारी व्यक्ति दूसरे को तुच्छ ही समझता है।
अहंकार में व्यक्ति अन्धा और बहरा हो जाता है।
अहंकार में व्यक्ति उल्टे सीधे काम करने लग जाता है और एक दिन वही कार्य दुःख में कारण बन जाता है।
अहंकारियों का इतिहास साक्षी है - जैसे रावण, बाली, कंस और दुर्योधन आदि ऐसे नामी नाम है जिनके बारे में अहंकारी के अलावा सब जानते हैं। सब जानते हैं उनके विनाश का कारण उनका अहंकार ही था। अहंकारी व्यक्ति के इर्द-गिर्द चापलूस,

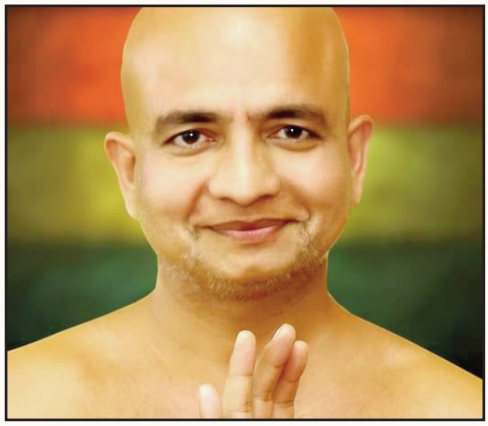

स्वार्थी लोगों का घेरा बन जाता है। ऐसे लोग झूठी प्रशन्सा करके उनके मान को पुष्ट करते हैं। इसलिए हमारे आचार्यों ने कहा - सरलता, सहजता, विनम्रता से बढ़कर जीवन में सफलता का दूसरा कोई सूत्र नहीं है। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

विद्या नृत्यांजली-अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता कार्यक्रम

सूरत के सेमी फाइनल राउण्ड में सलोनी जैन का चयन

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

झुमरीतिलैया की बेटी का स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में किये जा रहे ''विद्या नृत्यांजली-अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता कार्यक्रम'' सूरत के सेमी फाइनल राउण्ड में चयन हुई। जैन संत संतशिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज,मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज,ऐलक श्री 105 धैर्य सागर जी महाराज,क्षुल्लक श्री 105 गम्भीर सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से एवं श्री दिगम्बर जैन खण्डेलवाल समाज,सूरत द्वारा श्विद्या नृत्यांजली-अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता कार्यक्रमश् को आयोजित किया गया जिसमे सम्पूर्ण देश 500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का प्रथम क्वाटर राउण्ड 22 नवम्बर को किया गया व सेमी फाइनल राउण्ड 4 दिसम्बर को किया गया जिसमे टॉप 10 प्रतिभागियों को चुना गया जिसका फाइनल राउण्ड 11 दिसम्बर को सूरत शहर में किया जाएगा। विद्या नृत्यांजली प्रतियोगिता में कोडरमा जैन समाज की सुरेन्द छाबडा की बेटी और हजारीबाग विजय सेठी की बहू सलोनी जैन ने टॉप 10 में बाजी मारी। सलोनी जैन के चयन होने पर हजारीबाग ओर कोडरमा जैन समाज मे एक खुशी की लहर दौड़ गई है। कोडरमा समाज के मंत्री ललित सेठी ओर सलोनी के भाई ओर भाभी शैलेश-दिव्या

छाबडा ने बताया की सलोनी बचपन से ही नृत्य,मेहंदी के साथ कई हुनर इसमे थी,ये स्टेट के नृत्य प्रतियोगिता में पहले भी जीत चुकी है । 11 दिसम्बर को सूरत में होने वाले फाइनल राउण्ड में जीत हासिल करने के लिए सलोनी बहुत मेहनत कर रही है। सलोनी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हमने आचार्य श्री के जीवन को समझने का प्रयास किया व हमें आचार्य श्री के सार्वभौमिक सिद्धान्तों पर आधारित गाने दिए गए जिन्हें सभी युवा कलाकारों ने अपने नृत्य के माध्यम से उजागर किया साथ ही बताया कि विद्या नृत्यांजली प्रतियोगिता एक अनूठी प्रतियोगिता है जिसमे हम ना केवल नृत्य को दर्शाते हैं बल्कि हमे आचार्य श्री को समझने का मौका मिलता है।

राजेश गंगवाल रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के अध्यक्ष चुने गये

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन की कार्यकारिणी सभा में वर्ष 2023-2024 के लिये राजेश गंगवाल को निर्विरोध अध्यक्ष, कमल बडजात्या को सचिव और संजय अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। वर्ष 2023-24 के नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेश गंगवाल ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और क्लब को नयी उच्चाइयो पर पहुँचाने का संकल्प किया। चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन व वर्तमान अध्यक्ष रवींद्र नाथ ने नई कार्यकारिणी को माला पहनाकर सम्मानित किया।

॥ तीये की बैठक ॥

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिताजी

श्री धन्ना लाल जी गोधा

पुत्र स्वर्गीय श्री मिश्रीलाल जी गोधा (कोटड़ी वाले) का स्वर्गवास दिनांक 06/12/2022 को हो गया है। तीये की बैठक 08/12/2022 को छत्री वाला बाग, भट्टारकजी की नसिया प्रातः 10:00 बजे होगी। तत्पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

-: शोकाकुल ::-

श्रीमती प्रेमलता गोधा (पत्नी), निहाल चन्द (चाचा), राजेंद्र- सारिका, अनिल- संगीता, सुनील- प्रीति (पुत्र- पुत्रवधू), स्नेहलता-विमल कुमार, हेमलता-अशोक कुमार (पुत्री-दामाद), धर्मचंद, नेमीचंद, पारस कुमार (भतीजे), निखिल- शिप्रा, अंकिश-साक्षी, शोभित-हर्षी (पौत्र- पौत्रवधू), नीतिका-अमित, डॉ. जीपी-डॉ. जितेश, सावी-अखिल (पौत्री- दामाद), अक्षित (पौत्र), श्रुति (पौत्री), अथर्व, आरित (प्रपौत्र) अशना (प्रपौत्री) एवं समस्त गोधा परिवार।

ससुराल पक्ष- शांतिलाल, दिनेश कुमार गदिया, शाहपुरा वाले।

प्रतिष्ठान- जयपुर एजेंसीज, मोनीलेक फार्मेसी Mob.- 9829013837, 9829014836

आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी ने कहा...

परिस्थिति नहीं मन स्थिति बदलो

चन्द्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में विराजमान 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी ने मंगल प्रवचन में बताया कि हर व्यक्ति अनेक समस्या से घिरा है जिसको देखो वह यह कहता है मैं बहुत परेशान हूं मेरे बहुत समस्या है जीवन में समस्या होना यह मनुष्य मात्र की कहानी नहीं है समस्या होना यह प्राणी मात्र की कहानी हैं। समस्या चारों गति में है पर समस्या का संपूर्ण समाधान मनुष्य गति में है चारों गति के जीव परेशान हैं जिनके पास मन है वह परेशानी को ज्यादा महसूस करते हैं और परेशानी दूर करने का उपाय भी करते हैं पर जिनके पास मन नहीं है वह परेशानी को महसूस कम करते हैं पर परेशानी से बचने का उपाय कर भी सकते हैं और नहीं भी कर सकते हैं हर व्यक्ति कहता है मैं परेशान हूं उसे कहना चाहिए हम सब परेशान हैं । आये हुए सभी श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया । माताजी ने सभी को मंगल आशीर्वाद दिया।

आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश नेमीसागर कालोनी में 9 दिसम्बर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिसागर जी अंकलिकर स्वामी के महत्ती पूज्य परम्परा के चतुर्थ पट्टाचार्य श्री सुनीलसागर जी यतिराज ससंघ (57 पीछी) का मंगल प्रवेश नेमीसागर कालोनी में दिनांक 9 दिसंबर को प्रातः 9.30 बजे होने जा रहा है। मुनिसंघ शुक्रवार 9 दिसम्बर को प्रातः 6.30 बजे पारसनाथ जी मंदिर खवास जी का रास्ता से विहार कर बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, चांदपोल, संसार चन्द्र रोड, खासा कोठी, हसनपुरा होकर खातीपुरा तिराहा पधारेंगे, जहां से बैंड बाजा के साथ नेमीसागर कालोनी के गेट नंबर एक से वर्द्धमान भवन में आगमन होगा। चतुर्मास कमेटी सयोजक राजेश गंगवाल के अनुसार मुनीसंघ के नेमीसागर कालोनी में प्रवास के दौरान प्रतिदिन के संभावित कार्यक्रम निम्नानुसार रहेंगे : - अभिषेक प्रातः 7 बजे से, प्रवचन प्रातः 9 बजे से, आहार चर्या प्रातः 10.15 बजे, सामायिक मध्यान्ह 12 से 2 बजे, कक्षा मध्यान्ह 2 से 4 बजे, आरती सांयकाल 5.30 बजे, सामायिक/प्रतिक्रमण आरती, वैयावृति रात्रि 8 बजे से। सभी कार्यक्रमों में परिजन एवं मित्रो सहित उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें। **श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री अनिल जी - निशा जी जैन संघी

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ
(04 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

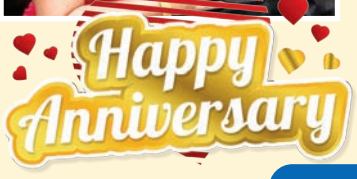

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर